मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने कंट्रोलर ऑफ़ एग्जामिनेशन ऑफिस में अपनी इन-हाउस डेडिकेटेड प्रेस फैसिलिटी, 'जामिया प्रेस' का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2026

अपनी हाई-क्वालिटी किताबों, रिसर्च और पब्लिसिटी मटीरियल की एकेडमिक पब्लिशिंग को बढ़ावा देने और इंस्टीट्यूशनल ऑटोनॉमी और एग्जामिनेशन से जुड़े काम की कॉन्फिडेंशियलिटी की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने यूनिवर्सिटी के कंट्रोलर ऑफ़ एग्जामिनेशन (CoE) ऑफिस में 'जामिया प्रेस' नाम से अपना प्रिंटिंग प्रेस डेवलप किया है। इस फैसिलिटी का उद्घाटन कल जेएमआई के वाइस-चांसलर, प्रो. मज़हर आसिफ़, और जेएमआई के रजिस्ट्रार, प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी ने कंट्रोलर ऑफ़ एग्जामिनेशन, प्रो. एहतेशामुल हक की मौजूदगी में किया।

अपने स्वागत संबोधन में, CoE प्रो. हक ने माननीय वाइस चांसलर की डायनामिक लीडरशिप और रजिस्ट्रार के लगातार गाइडेंस की तारीफ़ की, जिसके नतीजे में यूनिवर्सिटी ने एकेडमिक इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और इंस्टीट्यूशनल रेप्युटेशन में ज़बरदस्त ग्रोथ देखी है। प्रो. हक ने कहा, "उनकी दूर की सोच और कमिटमेंट जामिया को लर्निंग और रिसर्च का एक सेंटर बना रहा है।" "कॉन्फिडेंशियल एग्जामिनेशन मटीरियल, एकेडमिक पब्लिकेशन, ऑफिशियल डॉक्यूमेंट, प्रॉस्पेक्टस, रिपोर्ट और रिसर्च आउटपुट की बढ़ती हुई मात्रा को प्रिंट करने की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 'जामिया प्रेस' बनाने की बहुत ज़रूरत थी। इन सभी वजहों से हमारे लिए एक सुरक्षित, कुशल और आत्मनिर्भर प्रिंटिंग सिस्टम होना ज़रूरी हो गया था। बाहरी एजेंसियों पर डिपेंडेंस ने न सिर्फ़ लॉजिस्टिक चैलेंज पैदा किए, बल्कि कॉन्फिडेंशियलिटी, टाइमलाइन और कॉस्ट-इफेक्टिवनेस से जुड़ी चिंताएँ भी पैदा कीं।"

समय पर एग्जाम कराने और समय पर रिजल्ट घोषित करने में जेएमआई की कुशलता पर ज़ोर देते हुए, प्रो. हक ने यूनिवर्सिटी के सभी फैकल्टी मेंबर्स के सहयोग और खासकर CoE ऑफिस के स्टाफ की कड़ी मेहनत की तारीफ़ की, जिससे यह टारगेट हासिल किया जा सका।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने CoE ऑफिस में ऑटोमेशन लाने और प्रश्न पत्रों की प्रिंटिंग, ओएमआर स्कैनिंग और डिग्री प्रिंटिंग जैसी पूरी तरह से इन-हाउस एडमिशन और एग्जामिनेशन सुविधाएं बनाने के लिए चल रहे डेवलपमेंट काम की तारीफ़ की। यह कहते हुए कि बहुत जल्द "जेएमआई दूसरी यूनिवर्सिटीज़ के लिए एक रोल मॉडल बन जाएगा," प्रो. रिज़वी ने जामिया प्रेस स्थापित करने के सराहनीय काम के लिए प्रो. एहतेशामुल हक और उनकी टीम को बधाई दी, और कहा, "लेटेस्ट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी से लैस, जामिया प्रेस फैकल्टी मेंबर्स और जेएमआई की बड़ी रिसर्च कम्युनिटी को कम टर्नअराउंड टाइम में और बाहरी पब्लिशिंग एजेंसियों पर निर्भर हुए बिना अपने एकेडमिक योगदान को दिखाने के लिए एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म देगा।"

जामिया प्रेस की स्थापना को एक बड़ा कदम बताते हुए, जो जेएमआई की एकेडमिक एक्सीलेंस और ऑपरेशनल इंटीग्रिटी के प्रति कमिटमेंट को दिखाता है, जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो. मज़हर आसिफ़ ने कहा कि "पहले, डिग्री और मार्कशीट देर से जारी होने, समय पर एग्जाम न होने और रिजल्ट देर से घोषित होने के बारे में कई शिकायतें मिलती थीं, लेकिन अब CoE ऑफिस द्वारा इन सभी समस्याओं को हल करने के लिए किए जा रहे तारीफ़ के काबिल काम से चीजें आसान और बेहतर हो गई हैं। यह जानकर सुकून मिलता है कि अब स्टूडेंट्स अपनी डिग्री और मार्कशीट ऑनलाइन मोड में डाउनलोड कर सकते हैं।" प्रो. आसिफ़ ने- बहुत कम समय में एक अच्छी तरह से प्लान किया हुआ, सेंट्रलाइज़्ड इवैल्यूएशन हॉल और एक कुशल और डेडिकेटेड एडमिशन सेल बनाने के अलावा, जामिया प्रेस को स्थापित करने के लिए लगन और ईमानदारी से काम करने के लिए- CoE, प्रो. हक की भी तारीफ़ की। प्रो. आसिफ़ ने उम्मीद जताई कि "बहुत जल्द जामिया-प्रेस एक जाने-माने पब्लिशर के तौर पर अपनी पहचान बनाएगा, और जेएमआई के फैकल्टी मेंबर अपनी किताबें जामिया प्रेस से ही पब्लिश करेंगे।"

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डीन, अध्यक्ष, निदेशक, अधिकारी, टीचिंग और नॉन-टीचिंग सदस्य शामिल हुए। डॉ. अमीना हुसैन, सीपीआईओ-एग्जाम्स, ने कार्यक्रम आयोजित किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी